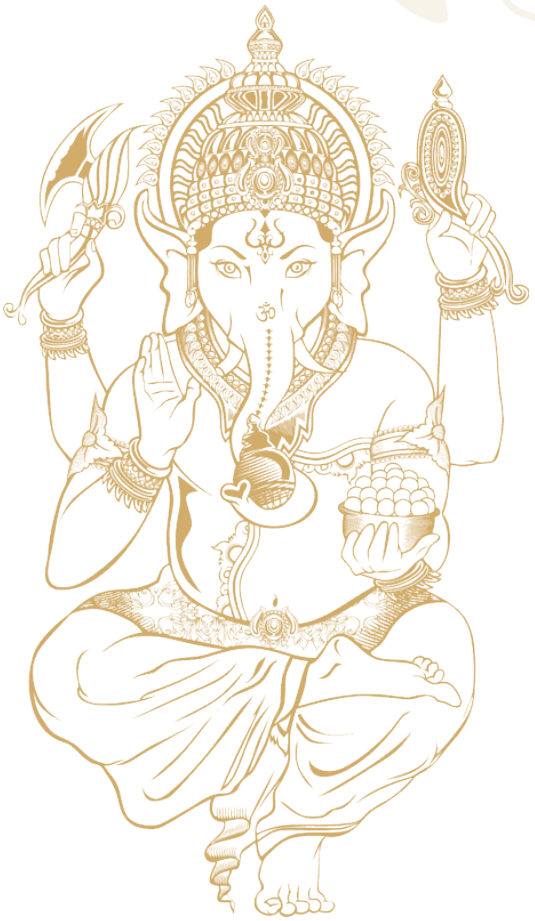

Harsh

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121507402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/03/1996	जन्म तिथि	12/02/1997
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 08:46:00	जन्म समय	23:02:00 घंटे
घटी 06:23:31	जन्म समय(घटी)	41:28:13 घटी
India	देश	India
Patna	स्थान	Patna
25:37:00 उत्तर	अक्षांश	25:37:00 उत्तर
85:12:00 पूर्व	रेखांश	85:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:48	स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:35	सूर्योदय	06:26:42
17:50:48	सूर्यास्त	17:40:28
23:48:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:02

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 4वर्ष 7मा 15दि	07:34:57	मेष	लग्न	तुला	12:47:29	केतु 1वर्ष 9मा 6दि
बुध	17:01:23	कुंभ	सूर्य	कुंभ	00:14:12	चन्द्र
16/10/2019	29:28:40	मिथु	चंद्र	मेष	09:57:50	20/11/2024
16/10/2036	17:45:46	कुंभ	मंगल व	कन्या	11:49:11	21/11/2034
बुध 14/03/2022	26:17:13	मक	बुध	मक	11:17:41	चन्द्र 20/09/2025
केतु 11/03/2023	17:57:29	धनु	गुरु	मक	11:20:20	मंगल 22/04/2026
शुक्र 09/01/2026	00:37:34	मेष	शुक्र	मक	18:07:58	राहु 21/10/2027
सूर्य 16/11/2026	01:36:53	मीन	शनि	मीन	10:56:56	गुरु 19/02/2029
चन्द्र 16/04/2028	23:59:01	कन्या व	राहु	कन्या	05:25:38	शनि 21/09/2030
मंगल 13/04/2029	23:59:01	मीन व	केतु	मीन	05:25:38	बुध 20/02/2032
राहु 01/11/2031	08:56:27	मक	हर्ष	मक	11:55:11	केतु 20/09/2032
गुरु 06/02/2034	03:01:16	मक	नेप	मक	04:36:05	शुक्र 22/05/2034
शनि 16/10/2036	09:18:13	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:37:11	सूर्य 21/11/2034

लग्न-चलित

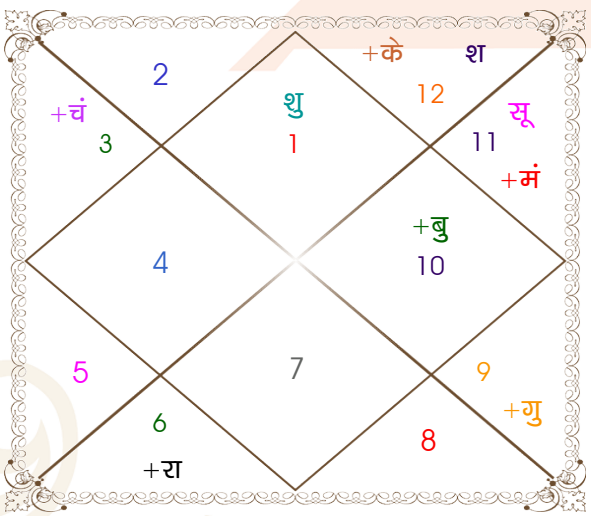

लग्न-चलित

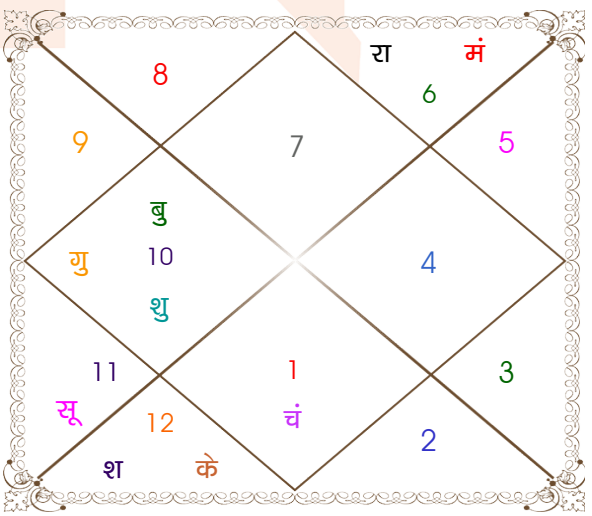

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

Harsh का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Harsh और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Harsh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Harsh कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Harsh कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Harsh तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।